बुद्धि की कीमत पर बनें बड़ी उम्र में पिता

औरतों के विपरीत पुरुष अधिक उम्र में भी बच्चे पैदा करना जारी रख सकते हैं लेकिन एक अध्ययन से यह बात सामने आई है कि अधिक उम्र के पिता के बच्चों को इसकी थोड़ी कीमत चुकानी होती है - संतानों की बुद्धिमत्ता की कमी के रूप में।

बड़ी उम्र के पिता की संतानें बुद्धिमत्ता के एक परीक्षण में औसतन कम अंक प्राप्त कर पाईं। इस परीक्षण में एकाग्रता, याददाश्त, तर्कशक्ति और पढ़ने जैसी गतिविधियां शामिल थीं। दूसरी ओर, अधिक उम्र में मां बनी महिलाओं के बच्चों का प्रदर्शन कम उम्र में मां बनी महिलाओं के बच्चों की अपेक्षा बेहतर रहा। ये निष्कर्ष ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के जान मैकग्राथ और उनके सहकर्मियों ने 33,000 से अधिक अमरीकी बच्चों के परीक्षण के आधार पर निकाले हैं। प्लॉस मेडिसिन में उन्होंने बताया है कि यह अध्ययन 8 महीने तक 4 और 7 वर्ष उम्र के बच्चों पर किया गया था।

यह बात कोई भी समझ सकता है कि बड़ी उम्र के पालकों के चलते बच्चों को बेहतर परवरिश और बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी जो उन्हें अधिक बुद्धिमत्ता प्राप्त करने में मदद करेगी। मैकग्राथ कहते हैं कि मां की उम्र के संदर्भ में तो हमें ठीक यही बात दिखती है मगर पिता की उम्र के संदर्भ में मामला पलट जाता है। वैसे परीक्षण के दौरान प्राप्त अंकों की तुलना करें तो अंतर काफी कम ही था। जैसे बुद्धिमत्ता (IQ) के मामले में 20 वर्षीय पिता के बच्चों को 50 वर्षीय पिता के बच्चों द्वारा हासिल अंकों की तुलना में 2 अंक अधिक मिले।

इस अंतर का क्या कारण हो सकता है? मैकग्राथ का मानना है कि शुक्राणु बनाने वाली कोशिकाओं में क्रमशः संग्रहित होने वाले अनुवांशिक दोषों के आधार पर इसकी व्याख्या की जा सकती है। यह भी देखा गया है कि अधिक उम्र वाले पिता के बच्चों में शीज़ोफ्रेनिया, ऑटिज़्म जैसे दोषों की भी अधिक संभावना होती है। ***(स्रोत फीचर्स)***